भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 576

सोमवार, 24 जुलाई, 2023/2 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान में विशेष पर्यटन क्षेत्रों की स्थापना

576. श्री देवजी पटेल:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जालौर, सिरोही जिले सहित राजस्थान में आरंभ की गई ग्रामीण पर्यटन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इन परियोजनाओं पर व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या ये सभी परियोजनाएं सफल रही हैं;

(घ) क्या सरकार का राजस्थान, विशेषकर राजस्थान के मरुस्थल में विशेष पर्यटन क्षेत्र स्थापित करने का विचार है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) उक्त प्रयोजनार्थ किन स्थानों की पहचान की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने देश में थीम-आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में अपनी स्वदेश दर्शन योजना आरम्भ की थी और ग्रामीण पर्यटन इस योजना के तहत विकास हेतु अभिज्ञात थीमों में से एक है। इस योजना के उद्देश्य में चयनित स्थलों/गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना का निर्माण और आगंतुक अनुभव/संतुष्टि को बढ़ाना भी शामिल है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत राजस्थान में ग्रामीण परिपथ थीम के अंतर्गत कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की है। तथापि, बिहार और केरल राज्यों में ग्रामीण परिपथ थीम परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई हैं जिनका ब्यौरा अनुबंध-**I** में दिया गया है। राजस्थान में स्वदेश दर्शन योजना के तहत विभिन्न थीमों में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध-**II** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने राजस्थान में विशेष पर्यटन जोन स्थापित करने के लिए किसी भी स्थान को चिह्नित नहीं किया है। तथापि, मंत्रालय ने सतत और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों का विकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के रूप में परिवर्तित किया है तथा राजस्थान राज्य में विकास के लिए बूंदी (केशोरायपाटन) और जोधपुर को चिह्नित किया है।

********

अनुबंध-**I**

राजस्थान में विशेष पर्यटन क्षेत्रों की स्थापना के सम्बन्ध में दिनांक 24.07.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 576 के भाग (क) से (च) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(राशि करोड़ रु. में)

| क्र. सं. | राज्य का नाम | स्वीकृति वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि | जारी की गई राशि* | उपयोग की गई राशि (राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत यूसी के अनुसार) | पूर्ण होने की समय सीमा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | बिहार | (2017-18) | गांधीपरिपथ: भितिहरवा-चंद्रहिया-तुरकौलिया का विकास | 44.27 | 39.96 | 35.72 | भौतिक रूप से पूर्ण |
| 2. | केरल | (2018-19) | मलानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास | 57.35 | 30.98 | 20.74 | दिसम्बर 23 |

*इसमें नई वित्तीय प्रक्रिया के अनुसार केन्द्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) को जारी की गई राशि शामिल है।

********

अनुबंध-**II**

राजस्थान में विशेष पर्यटन क्षेत्रों की स्थापना के सम्बन्ध में दिनांक 24.07.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 576 के भाग (क) से (च) के उत्तर में विवरण

राजस्थान में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(राशि करोड़ रु. में)

| थीम/स्वीकृति वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि | जारी की गई राशि* | उपयोग की गई राशि (राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत यूसी के अनुसार) | भौतिक पूर्णता की स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|
| मरुस्थल परिपथ 2015-16 | सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास | 50.01 | 50.01 | 55.89 | पूर्ण |
| कृष्णा परिपथ 2016-17 | गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास | 75.80 | 72.01 | 67.30 | 99% |
| आध्यात्मिक परिपथ 2016-17 | आध्यात्मिक परिपथ का विकास-'चूरू (सालासर बालाजी)-जयपुर (श्री सामोद के बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - विराटनगर (बीजक, जैननेसियां, अम्बिका मंदिर)-भरतपुर (कामान क्षेत्र)-धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी- चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास | 87.05 | 72.23 | 75.03 | पूर्ण |
| विरासत परिपथ 2017-18 | विरासत परिपथ का विकास-राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग का प्रदीप्तीकरण) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - | 70.61 | 60.91 | 67.04 | पूर्ण |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफोर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास | | | | |

*इसमें नई वित्तीय प्रक्रिया के अनुसार केन्द्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) को जारी की गई राशि शामिल है।

********